मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद का राहत अभियान

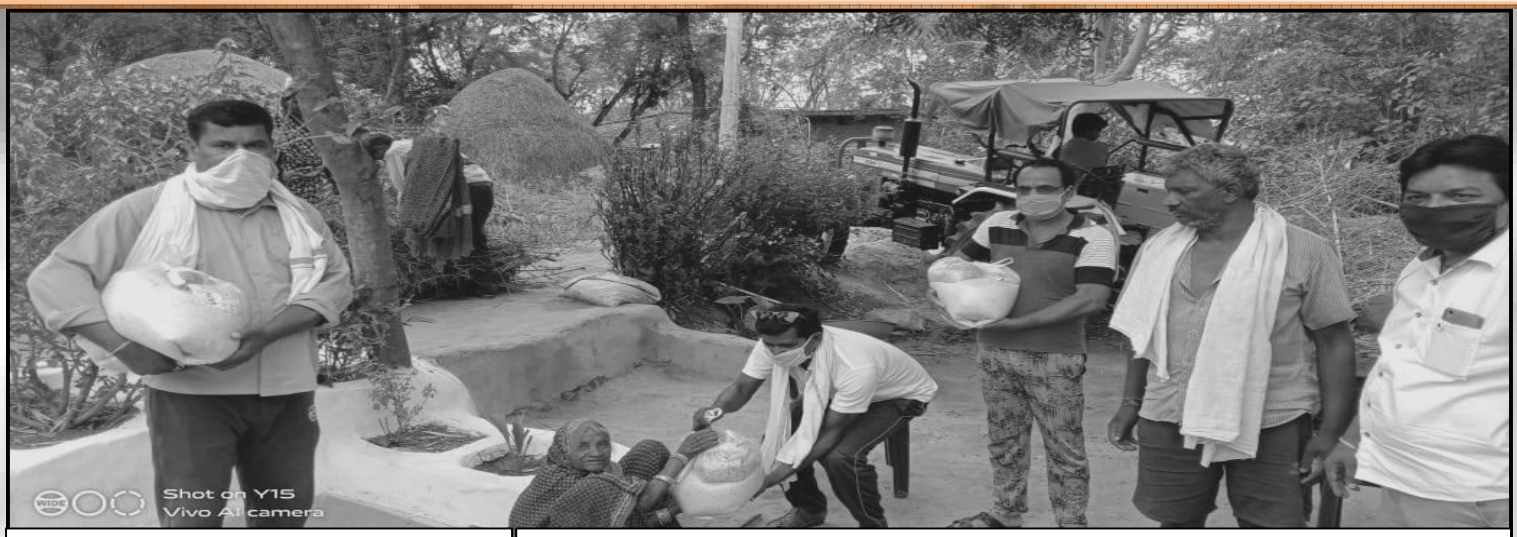

मुख्य बिन्दु :

- पलायनों की घर वापसी मे मदद।
- कोरेन्टाईन की व्यवस्था।
- आर्थिक सहायता ।
- राहत सामग्री वितरण।
- भोजन की व्यवस्था ।
- सोशल डिस्टेंशिंग ।
- गांव मे ही रोजगार ।

कोविड–19 वैश्विक महामारी संक्रमण से पूरा देश लड़ रहा है, कोरोना वायरस का संक्रमण पूरे देश दुनिया मे फैल चुका है। इससे प्रभाविता की रक्षा व सुरक्षा के लिए शासन प्रशासन व समाजसेवी संगठन अपने अपने तरीके से काम कर रही है। अब यह स्थिति निर्मित हो चुकी है कि गांव से पलायन कर दूसरे राज्य व देश की कम्पनियों, खदानों व प्लांटो तथा कारखानों मे काम करने गये मजदूरों को लॉकडाउन के चलते काम ठप्प हो गया है जिससे मजदूर बेहद परेशान है। उन मजदूरों को वापस घर लाने व पहुंचाने मे भी प्रशासन व संगठन लगातार प्रयाासरत है। इस दौर मे राहत कार्य के अलावा और कुछ नजर नही आ रहा है। यह की तीसरे दौर का लॉकडाउन समाप्त हुआ पुनः चौथे चरण का 18 मई से 14 दिन का 31 मई तक लॉकडाउन हुआ जो कि काफी लम्बे समय 21 मार्च के बाद से देखे तो 17 मई के बीच काफी गैफ था उस दौरान घर मे रह रहे लोग व घर से बाहर काम करने गये लोग सभी परेशान है उन्हे रोजाना खाने के भी लाले पड़े है।

इस महामारी का नजारा चारो ओर देखने को मिल रहा है। लोग घर वापसी के दौर मे सड़क पैदल मार्च करते लम्बी दूरिया तय करते हुए अपने गृह ग्राम की ओर जाते नजर आ रहे है ऐसे मे यातायात साधन व्यवस्था ठप्प होने से कहीं पैदल तो कही ट्रको का सहारा लेकर जिन्दगी और मौत के बीच लड़ते हुए अपने घर तक पहुंच रहे है। **मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद** मध्यप्रदेश के कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के बिजौरी गांव मे अपना ऑफिस स्थापित कर कार्यकर्ता टीम की मदद से विभिन्न प्रकार के काम कर रही है। अभी राहगीरों को भोजन मुहैया करा रही है 9 अप्रैल से अभी तक लगातार लोगों को मझगवां टोल प्लाजा मे भोजन उपलब्ध करा रही है। और कार्यक्षेत्र के गांव मे लोगों को सूखा राहत सामग्री पैकिट भी बांट रही है जिससे लोग भखे न रहे।

पलायनों की घर वापसी मे मदद्

(1) कटनी खमतरा के 5 मजदूर अपनी रोजीरोटी चलाने काम की तलास मे पूना शहर गये हुए थे वहां पर कुछ ही दिन काम करते हुए थे तथी कोरोना महामारी ने दस्तक दिया जिसके चलते पूरे देश मे लॉकडाउन होने से मजदूरों का काम बंद हो जाने से काफी परेशान होने लगे। उन्हे लगता था की हम आसानी से अपने घर वापस पहुंच जायेंगे लेकिन यातायात व आवागमन के साधन पूरी तरह बंद होने से वहीं पूना मे ही फंस गये। शासन प्रशासन से कई बार घर वापसी की गुहार लगाई लेकिन किसी ने नही सुनी ऐसे मे समाजसेवी संगठन मानव जीवन विकास समिति व एकता परिषद् कटनी को जैसे ही पता तत्काल खोजबीन मे जुट गई और अपने एकता परिषद् नेटवर्क के माध्यम से पूना मे फंसे मजदूरों को वापस कटनी खमतरा लाने मे कामयाब हुई। मजदूर अपने घर सुरक्षित पहुंचकर संस्था को धन्यवाद् दिया।

(2) झारखण्ड के 35 मजदूर नरसिंहगढ़ दमोह से वापस अपने घर पहुंचाने मे मानव जीवन विकास समिति व एकता परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह की झारखण्ड निवासी किसी प्रायवेट कम्पनी मे काम करने चले तो गये लेकिन कोविड–19 के चलते लॉकडाउन होने से कम्पनी का काम बंद हो गया जिससे प्रवासी मजदूर अपने घर वापस आना चाह रहे थे लेकिन ठेकेदार व कम्पनी मालिक ने किसी भी प्रकार से मदद करने को तैयार नही था। इस परिस्थिति मे प्रशासन के लोग मदद नही कर रहे थे तभी समिति अपने नेटवर्क के माध्यम से मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने मे कामयाब रही।

(3) भोपाल की 8 छात्राओं को झारखण्ड से भोपाल वापसी मे मानव जीवन विकास समिति व एकता परिषद ने अपनी अहम भूमिका निभाते हुए पता चलते ही अपने साथीयों की मदद से झारखण्ड से भोपाल उनके घर तक पहुंचाया और समय समय पर भरपूर उनकी सहायता करते रहे वे छात्राये सुरक्षित अपने घर पहुंचते ही अपने परिवारजनो सहित समिति को धन्यवाद दिया।

कोरोना महामारी अवधि मे राहत अभियान :

कोरोना से प्रभावितो की जानकारी जुटाना : कोरोना का कहर शुरू होते ही 22 मार्च को पूरे देश मे एक दिन का जनता कर्फ्यु लगा उसके बाद से लॉकडाउन लगा दिया गया। कोरोना संक्रमण लगातार फैलता गया और लॉकडाउन भी बढ़ता गया जिससे परेशान होकर लोग सड़को मे आने लगे। ऐसे स्थिति मे देखा गया कि बहुतायत संख्या मे लोग अपने घरों से पलायन है उन्हे अपने घर वापस पहुंचाने की दिशा मे रणनीति बनाई गई और कार्यकर्ता टीम की मदद से जिला व गांव वाईज सूची तैयार कर वापस घर लोगों को पहुचांने मे **मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद** मदद किया गया।

संस्था अपने सघन कार्यक्षेत्र वाले जिले दमोह, मण्डला, डिण्डौरी मे क्षेत्रीय कार्यकर्ता टीम से जानकारी जुटाना प्रारम्भ किया और लोगों की मदद मे जुट गये। कार्यकर्ताओं से मिली जानकारी के अनुसार बताया गया की अधिकांश संख्या मे दिहाड़ी मजदूरी वाले लोग है जो कि रोजाना कमाकर उसी पैसे से रोज का अपने परिवार के खाने का व्यवस्था करते थे। रोजाना काम न मिलने से लोग ज्यादा परेशान हो रहे है उन्हे राहत दिया जा रहा है।

कोरेन्टाईन की व्यवस्था : कोरोना प्रभावितो को घर वापसी के बाद 14 दिसव का कोरेन्टाईन की व्यवस्था कराना व उसे लगातार देखभाल करना भी साथी कार्यकर्ता टीम लगे हुए है। स्वास्थ्य टीम को जानकारी देकर जांच व स्केनिंग कराना व बीच बीच मे स्वास्थ्य टीम के साथ मोनीटरिंग करना आदि काम भी किया जा रहा है। ऐसे ही दमोह, मण्डला, डिण्डौरी व बालाघाट के बाहर से आये लगभग 150 मजदूरों को कोरेन्टाईन की व्यवस्था की गई है। इस कार्य मे **मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद** अहम भूमिका निभा रही है। संस्था अभी भी गांव गांव मे जाकर लोगों की खबर ले रही है ताकि बाहर फंसे सभी लोग अपने घर सुरक्षित पहुंच जाये।

आर्थिक सहायता –

- बिहार मे 4 गांव के 75 परिवार को आर्थिक सहायता की गई।
- मण्डला जिले के बिछिया ब्लॉक के 4 गांव के 95 परिवार को आर्थिक सहायता की गई।
- डिण्डौरी जिले के समनापुर ब्लॉक के 10 गांव के 105 परिवार को आर्थिक सहायता की गई।
- दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा ब्लॉक 14 गांव के 100 को आर्थिक सहायता की गई।

राहत सामग्री पैकिंग : कोरोना महामारी से प्रभावितों को राहत पहुंचाने हेतु खाद्यान्न सामग्री का पैकिंग कार्य भी **संस्था मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद** कार्यकर्ता टीम के द्वारा अपने सहयोगियों के साथ मिलकर किया गया। यह की दुकानों मे लॉकडाउन के चलते सोशल डिस्टेसिग का भी पालन करना है जिससे दुकानदारों ने घरों पर ही पैकिंग करने की सलाह दी है। ऐसे ही परिवार के लोगों की मदद से राहत सामग्री का पैकिंग किया गया। कहीं थैले मे, कही बोरी मे तो कही पालीथिन मे पैकिंग किया गया।

कोरोना काल मे राहत सामग्री वितरण कार्य :

जिला मण्डला : जिले के बिछिया ब्लॉक के 4 गांव लफरा, मानिकपुर, नारा, मोहती से 95 लोगों को चिन्हित कर अपने कार्यकर्ता टीम की मदद से कोरोना महामारी से प्रभावित परिवार को चावल, दाल, तेल, हल्दी, नमक, मिर्ची और साबुन का किट पैकिंग कर परिवार को दिया गया। जिससे राहत की सांस ले रहे है। अधिकांशतः बैगा समुदाय के लोग देखने को मिलते है इन परिवारों यह भी देखने मे मिला है कि अधिकांश लोग आपसी दूरी बनाकर खेतों मे झोपड़ीनुमा मकान बनाकर एकांत मे रहना पसंद करते है। ऐसे मे एक दूसरी की मदद कर पाना भी संभव नही हो पाता है। कोरोना महामारी के दौरान इन परिवारों का हाल बेहाल हो गया ऐसी स्थिति मे एक समय का भोजन मात्र से भी लोग खुशी से झूम उठते है।

जिला डिण्डौरी : जिले के समनापुर ब्लॉक के 10 गांव समनापुर, पोड़ी, किवाड़, सिंघनपुरी, केवलारी, छतपारा, मोहगांव, मोहती, कुरेली, कुण्डापानी से 105 लोगों को चिन्हित कर अपने कार्यकर्ता टीम की मदद से कोरोना महामारी से प्रभावित परिवार को चावल, दाल, तेल, हल्दी, नमक, मिर्ची और साबुन का किट पैकिंग कर परिवार को दिया गया। जिससे राहत की सांस ले रहे है। डिण्डौरी जिला का समनापुर ब्लॉक जो कि बजाग से लगा हुआ है इस क्षेत्र मे भी बैगा समुदाय व आदिवासी परिवार से लोग ज्यादा रहते है यहां भी कार्यकर्ताओं से मिली जानकारी अनुसार लोगों को मदद् करने की जरूरत थी उसी परिपेक्ष्य मे जानकारी जुटाकर कोरोना महामारी से प्रभावितो को राहत खाद्यान्न सामग्री प्रदान की गई।

जिला दमोह : जिले के तेन्दुखेड़ा ब्लॉक के 14 गांव बिसनाखेड़ी, बगदरी, धनेटा, झालोन, समदई, छिरकोना, हर्रई, खम्हरिया शिवलाल, कोटखेड़ा, सर्रा से 100 लोगों को चिन्हित कर अपने कार्यकर्ता टीम की मदद से कोरोना महामारी से प्रभावित परिवार को चावल, दाल, तेल, हल्दी, नमक, मिर्ची और साबुन का किट पैकिंग कर परिवार को दिया गया। जिससे राहत की सांस महसूस कर रहे है। दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा ब्लॉक मे पहले भी 750 परिवार को राहत सामग्री बांटी जा चुकी है। पहले चक्र से छूटे व पलायन से आये लोगों को जिसे जरूरत थी उस परिवार को राहत सामग्री बांटी जा रही है। इस काम लगे कार्यकर्ता टीम लगातार ब्लॉक के गांव गांव मे जाकर लोगों को राहत पहुंचा रहे है।

हरिभूमि

जबलपुर - कटनी भूमि

Date - 10 May'20

मदद | मानव जीवन विकास समिति बिजौरी मझगवां के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा जरूरतमंदों को कराया जा रहा भोजन

कोरोना संकट की इस घड़ी में पीड़ितों की मदद के लिए आये आगे

हरिभूमि न्यूज, कटनी

कोरोना महामारी ने देश के कई राज्यों सहित मप्र में भी अपने पैर जमा लिये हैं। इस महामारी से लोगों के जीवन को सुरक्षित करने के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा लॉकडाउन 17 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। अपने गृह जिलों से दूसरे जिलो व राज्यों में रोजगार की तलाश में गए श्रमिकों की घर वापसी का सिलसिला भी चल रहा है क्यों कि लॉकडाउन की वजह से अधिकांश उद्योग धंधे बंद पड़े हैं।

कटनी जिले से गुजरने वाले श्रमिकों व यात्रियों को भोजन-पानी उपलब्ध कराने के लिए मानव जीवन विकास समिति बिजौरी मझगवां के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष निर्भय सिंह ने बताया कि लॉकडाउन की अवधि के समय से ही समिति सदस्यों द्वारा जरूरतमंदों, गरीबों और मुसाफिरों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। शनिवार को टोल प्लाजा के पास करीब सैकड़ा से अधिक लोगों को भोजन के पैकिट उपलब्ध कराये गऐ। ये लोग अनूपपुर, बिलासपुर, मुंगेली जिले के थे।

अध्यक्ष निर्भय सिंह ने बताया कि श्रमिक वर्ग के लोग जो दूसरे जिलों या राज्यों में फंसे थे उन्हें अपने घरों तक पहुंचने के लिए वाहन भी नहीं मिल पा रहा है ऐसे में मजदूर पैदल यात्रा करके ही घर पहुंच रहे हैं। रोजगार छिन जाने और आर्थिक तंगी के चलते उनके खाद्यान्न संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। अध्यक्ष सिंह ने बताया कि वे राहगीरों का स्थानीय स्वास्थ्य अमला द्वारा परीक्षण कराकर उनके भोजन-पानी का इंतजाम करते हैं। भोजन के पैकिट बनाकर प्रशासन के नियमों का पालन करते हुए यथासंभव मदद की जा रही है। रोजगार की तलाश में श्रमिक सपरिवार ही निकल जाते हैं। अब लॉकडाउन की वजह से जब वाहन नहीं मिल रहे तो छोटे बच्चों को लेकर वापसी में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जरूरतमंदों को ताजा व गर्म भोजन के पैकिट वितरित कर पीड़ित मानवता की सेवा की जा रही है।

अध्यक्ष सिंह ने सक्षम लोगो से इस आपदा की घड़ी में अपनी हैसियत अनुसार पीड़ितों की मदद करते अपील की है जिससे औरंगाबाद या हैदराबाद जैसी घटनाओं का शिकार न होने पाये।

मानव जीवन विकास समिति के अध्यक्ष बताया कि इस सेवाभावी काम में समिति के दयाशंकर यादव, ज्ञानप्रकाश उपाध्याय, शोभा तिवारी, आशिमा, मूलचंद्र, रामकिशोर, अभय, चंद्रपाल कुशवाहा का सराहनीय सहयोग मिल रहा है।

मजदूरों को समिति करा रही भोजन

मझगवां. लॉकडाउन के समय लगातार समाजसेवी संस्थाएं लोगों की मदद करने में जुटी हुई हैं। बड़वारा क्षेत्र के ग्राम बिजौरी में संचालित मानव जीवन विकास समिति के द्वारा शुक्रवार को मझगवां से निकल रहे मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराया गया। समिति लगातार सैंकड़ों मजदूरों को भोजन उपलब्ध करा रही हैं। साथ ही मूक प्राणियों के लिए भी इंतजाम कर रही हैं। मझगवां टोल प्लाजा में बैठे हुए मजदूरों को भोजन कराया जा रहा है।

पत्रिका Sat, epape

जरूरतमंदो को भोजन : कोरोना संकट की इस घड़ी मे **मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद** कोरोना प्रभावितों व जिले से गुजरने वाले श्रमिकों एवं यात्रियों को भोजन पानी उपलब्ध करा रहे है। लॉकडाउन की अवधि से ही संस्था द्वारा जरूरतमंदो, गरीबों और मुसाफिरों को भोजन उपलब्ध करा रहे है। सड़क से मजदूरों का पैदल चलकर घर पहुंचने का सिलसिला कब तक रूकेगा यह अभी पता नही है। देश के नागरिक होने के नाते हमारा यह कर्त्तव्य है कि हम अपनी हैसियत के अनुसार लोगों की मदद करें, उनका हौसला बढ़ाते रहें ताकि औरंगाबाद, हैदराबाद जैसी कोई भी घटना न घटे और सभी लोग अपने घर सुरक्षित पहुंच सके। समिति कटनी जिले से उमरिया शहडोल नेशनल हाईवे–43 पर मझगवां टोल प्लाजा पर जाकर वहां से गुजर रहे श्रमिक व मजदूर जो पलायन से वापस आ रहे है और उनके पास रास्ते के लिए भोजन नही मिल पा रहा ऐसे मे समिति उन लोगों को रोजाना लगातार 50 से 60 लोगों को भोजन व पानी उपलब्ध करा रही है। टोल प्लाजा मे कटनी से उमरिया, शहडोल, अनुपपुर, बिलासपुर की तरफ से लोग आते ही नही है बल्कि वहां से लोग बिलासपुर की तरफ से कटनी, रीवा, भोपाल की ओर जाने वाले लोगों को भी भोजन मिल पा रहा है।

सोशल डिस्टेंशिंग की जानकारी देते हुए : कोरोना संकट की इस घड़ी मे **मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद** कोरोना महोमारी से बचाव के लिए गांव गांव मे अपने कार्यकर्ता टीम की मदद से लोगों को लगातार सोशल डिस्टेंशिंग की जानकारी दे रही है। यह भी कोरोना महामारी दुनिया भर लोगों को तबाह कर दिया है ऐसे मे संक्रमण से बचने के लिए सिर्फ जागरूकता और समझदारी से ही बचाव हो सकता है। ऐसे मे पिछड़े क्षेत्रो मे आदिवासी बैगा समुदाय को बताया गया कि आप सभी को लॉकडाउन की अवधि मे घर के अंदर ही रहना है ज्यादा जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकले, ऐसे परिस्थिति मे लोगों से कम से कम 2 मीटर की दूरी आपस मे बनाये रखना है जिससे संक्रमण एक दूसरे को ग्रसित न कर पाये। स्वास्थ विभाग लगातार रोग प्रतिरोधक दवाई की खोज मे लगे है लेकिन अभी तक कोई भी पुख्ता ईलाज नही मिल पाया है इसलिए आप सभी को मदद करना है संक्रमण से लड़ाई करके ही बचा जा सकता है। समिति कार्यक्षेत्र के जिले दमोह, मण्डला, डिण्डौरी, बालाघाट के अलग अलग गांव गांव मे जागरूक कर रहे है।

दैनिक भास्कर

02-May-2020
दमोह Page 2

मानव जीवन विकास समिति ने मनाया मजदूर दिवस

भास्कर संवाददाता | बनवार

एकता परिषद मानव जीवन विकास समिति द्वारा सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए मजदूर दिवस मनाया गया। जिला समनव्यक घनश्याम प्रसाद रायकवार ने कहा कि इस समय पूरी दुनिया कोरोना वायरस से जूझ रहा है। उद्योग धंधे एवं कारखाने बंद होने के कारण हजारों मजदूर अपने गांव वापस लौट आए हैं। उद्योग धंधे एक माह से भी ज्यादा समय से बंद होने के कारण उन उन्हें दोबारा पटरी पर आने में करीब डेढ़ से दो साल लग जाएंगे।

मजदूरों को दोबारा रोजगार मुहैया कराना चुनौती

ऐसे में सरकार के पास सबसे बड़ी चुनौती ऐसे मजदूरों को दोबारा रोजगार मुहैया कराना है। क्योंकि अधिकांश मजदूरों को उनके गांव में पंचायतों द्वारा काम नहीं मिल रहा है। मनरेगा योजना केवल दिखावा साबित हो रही है। इस बात पर सरकार को ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर साल 1 मई को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है।

इसे पहली बार 1 मई 1886 को मनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य मजदूरों को सम्मान और हक दिलाना है। इस मौके पर फैज अहमद फैज की रचना को याद किया जाता हैं, जिसमें उन्होंने मजदूरों के हक की बात की है।

गांव मे ही रोजगार की मुहैया कराना : **मानव जीवन विकास समिति/एकता परिषद** द्वारा भारत रूरल लाईलीहुड फाउण्डेशन की मदद से दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा ब्लॉक के 60 गांव मे लोगों की स्थायी आजीविका सुनिश्चित कराने काम किया जा रहा है। अभी हाल ही मे कोरोना महामारी का कहर फैलते ही जा रहा है तो एक तरफ लोगों को अपने घर वापसी का दौरा रूकने का नाम ही नही लेता जिसको देखते हुए समिति भी अपने कार्यकर्ता टीम की मदद से लोगों को पलायन से उनके घर तक पहुंचाने का काम कर रही है। तो दूसरी तरफ लोगों को अपने गांव मे ही रोजगार उपलब्ध कराने पंचायत से मनरेगा रोजगार गारण्टी का काम की मुहैया करा रही है जिससे लोग अपने घरो मे रहकर काम कर सके। ऐसे मे सभी लोग मनरेगा काम मे लगे हुए है।

जनकल्याण मंच लफरा एवं मानव जीवन विकास समिति कटनी ने बैगाचक में किया राशन वितरण

मण्डला। महामारी प्रकोप कोरोना वायरस से बनी लॉकडाउन की स्थिति ने देश भर के आमजनों को बहुत ज्यादा प्रभावित किया लोगों को अपनी अपने परिवार और अपने देश की सुरक्षा के लिये अपने घरों में कैद रहकर इस विश्वव्यापी छाये संकट से लडाई लडना पड़ा इससे गरीब तबके के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड रही है मजदूरी पर आश्रित परिवार के लिए देश भर के अनेक सामाजिक संगठनों ने आगे आकर हर तरह की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया और लोगों की मदद की लोगों को जरूरत की चीजों का वितरण लगातार लॉकडाउन लगने के बाद से ही सामाजिक संगठन कर रहे हैं इसी के चलते जनकल्याण मंच लफरा मंडला और मानव जीवन विकास समिति कटनी ने निर्भय सिंह और रामकिशोर चौधरी के निर्देशन में संयुक्त अभियान चलाते हुए जरूरतमंद गरीब वर्ग के लोगों को राशन जिसमें चावल, दाल, तेल, नमक मिर्च मशाला सहित साबुन का वितरण किया लगातार तीन दिनों तक चले इस अभियान में ग्राम लफ्रा में 32 परिवार, ग्राम नारा में 19 आदीवासी हरिजन परिवार, ग्राम बगली में 14 एवं बैगाचक मानिकपुर में 30 बैगा परिवार सहित कुल 95 परिवारों को राशन एवं जरूरत की सामाग्री वितरित की गई जनकल्याण मंच के सदस्य संजय तिवारी ने बताया हमारा जनकल्याण मंच लफ्रा और मानव जीवन विकास समिति कटनी आगे भी इस तरह के जनकल्याण कार्य मिलकर करते रहेंगे जनकल्याण मंच के सदस्य संजय तिवारी अनिल हरदहा राजू साहू चंद्रेश्वर पटैल भागवत हरदहा शारदा श्रीवास राजेन्द्र हरदहा प्रशांत तिवारी ओमकार विश्वकर्मा एवं उमेश केवट व्दारा घर घर पहुंच कर लोगों को ज्यादा से %यादा घर पर रहने साफ सफाई एवं मास्क लगाने और साबुन से हाथ धोते रहने की समझाईश दी राशन वितरण में मानिकपुर से सीमा भारतीया नारा से प्रीति पटैल और बगली से अमित शुक्ला ने सराहनीय योगदान दिया।

मानव जीवन विकास समिति कटनी के व्दारा जनकल्याण मंच लफरा मंडला जिले के बिछिया ब्लाक में बैगाचक मानिकपुर बैगा परिवार को किया राशन वितरण*

महामारी प्रकोप कोरोना वायरस से बनी लॉकडाउन की स्थिति ने देश भर के आमजनों को बहुत ज्यादा प्रभावित किया लोगों को अपनी अपने परिवार और अपने अपने देश की सुरक्षा के लिये अपने घरों में कैद रहकर इस विश्वव्यापी छाये संकट से लडाई लडना पड़ा इससे गरीब तबके के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड रही है मजदूरी पर आश्रित परिवार के लिए देश भर के अनेक अनेक सामाजिक संगठनों ने आगे आकर हर तरह की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया और लोगों की मदद की लोगों को जरूरत की चीजों का वितरण लगातार लॉकडाउन लगने के बाद से ही सामाजिक संगठन कर रहे हैं इसी के चलते मानव जीवन विकास समिति कटनी ने जनकल्याण मंच लफरा मंडला के द्वारा जरूरतमंद गरीब वर्ग के लोगों को राशन जिसमें चावल, दाल, तेल, नमक मिर्च मशाला सहित साबुन का वितरण किया लगातार तीन दिनों तक चले इस अभियान अभियान में ग्राम लफरा में 32 परिवार, ग्राम नारा में 19 19 आदीवासी हरिजन परिवार, ग्राम बगली में 14 एवं बैगाचक मानिकपुर में 30 बैगा परिवार सहित कुल 95 परिवारों को राशन एवं जरूरत की सामाग्री वितरित किया किया गया और लोगों को ज्यादा से ज्यादा घर पर रहने रहने साफ सफाई एवं मास्क लगाने और साबुन से हाथ धोते रहने की समझाईश दी I

मण्डला न्यूज कवरेज

बैगाचक मानिकपुर, लफरा व नारा के बैगा परिवार को बांटा राशन

जनकल्याण मंच लफरा और मानव जीवन विकास समिति कटनी की पहल

मंडला (नईदुनिया प्रतिनिधि)। महामारी प्रकोप कोरोना वायरस से बनी लॉकडाउन की स्थिति ने देश भर के आमजनों को बहुत ज्यादा प्रभावित किया। लोगों को अपनी अपने परिवार और अपने देश की सुरक्षा के लिए अपने घरों में कैद रहकर इस विश्वव्यापी छाए संकट से लड़ाई लड़ना पड़ा। इससे गरीब तबके के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। मजदूरी पर आश्रित परिवार के लिए देश भर के अनेक सामाजिक संगठनों ने आगे आकर हर तरह की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया और लोगों की मदद की लोगों को जरूरत की चीजों का वितरण लगातार लॉकडाउन लगने के बाद से ही सामाजिक संगठन कर रहे हैं। इसी के चलते जनकल्याण मंच लफरा मंडला, मानव जीवन विकास समिति कटनी ने निर्भय सिंह और रामकिशोर चौधरी के निर्देशन में संयुक्त अभियान चलाते हुए जरूरतमंद गरीब वर्ग के लोगों को

मंडला। राशन वितरण करते हुए समिति के सदस्य। ● **नईदुनिया**

राशन जिसमें चावल, दाल, तेल, नमक मिर्च, मशाला सहित साबुन का वितरण किया। लगातार तीन दिनों तक चले इस अभियान में ग्राम लफरा में 32 परिवार, ग्राम नारा में 19 आदिवासी हरिजन परिवार, ग्राम बगली में 14 एवं बैगाचक मानिकपुर में 30 बैगा परिवार सहित कुल 95 परिवारों को राशन एवं जरूरत की सामाग्री वितरित की गई। जनकल्याण मंच के सदस्य संजय तिवारी ने बताया हमारा जनकल्याण मंच लफरा और मानव जीवन विकास समिति कटनी आगे भी इस तरह के जनकल्याण कार्य मिलकर करतें रहेंगे। जनकल्याण मंच के सदस्य संजय तिवारी, अनिल हरदहा, राजू साहू, चंद्रेश्वर पटैल, भागवत हरदहा, शारदा श्रीवास, राजेन्द्र हरदहा, प्रशांत तिवारी, ओमकार विश्वकर्मा एवं उमेश केवट द्वारा घर घर पहुंच कर लोगों को ज्यादा से ज्यादा घर पर रहने साफ सफाई एवं मास्क लगाने और साबुन से हाथ धोते रहने की समझाईश दी। राशन वितरण में मानिकपुर से सीमा भारतीया, नारा से प्रीति पटैल और बगली से अमित शुक्ला ने सराहनीय योगदान दिया।

बैगाचक मानिकपुर में किया राशन वितरण

मण्डला

मजदूरी पर आश्रित परिवार के लिए देश भर के अनेक सामाजिक संगठनों ने आगे आकर हर तरह की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया और लोगों की मदद की लोगों को जरूरत की चीजों का वितरण लगातार लॉकडाउन लगने के बाद से ही सामाजिक संगठन कर रहे हैं इसी के चलते जनकल्याण मंच लफरा मंडला और मानव जीवन विकास समिति कटनी ने निर्भय सिंह और रामकिशोर चौधरी के निर्देशन में संयुक्त अभियान

चलाते हुए जरूरतमंद गरीब वर्ग के लोगों को राशन जिसमें चावल, दाल, तेल, नमक, मिर्च, मसाला सहित साबुन का वितरण किया लगातार तीन दिनों तक चले इस अभियान में ग्राम लफरा में 32 परिवार, ग्राम नारा में 19 आदिवासी हरिजन परिवार, ग्राम बगली में 14 एवं बैगाचक मानिकपुर में 30 बैगा परिवार सहित कुल 95 परिवारों को राशन एवं जरूरत की सामाग्री वितरित की गई जनकल्याण मंच के सदस्य संजय तिवारी ने बताया हमारा जनकल्याण मंच लफरा और मानव जीवन विकास समिति कटनी आगे भी इस तरह के जनकल्याण कार्य मिलकर करतें रहेंगे जनकल्याण मंच के सदस्य संजय तिवारी, अनिल हरदहा, राजू साहू, चंद्रेश्वर पटैल, भागवत हरदहा, शारदा श्रीवास, राजेन्द्र हरदहा, प्रशांत तिवारी, ओमकार विश्वकर्मा एवं उमेश केवट द्वारा घर-घर पहुंच कर लोगों को ज्यादा से ज्यादा घर पर रहने साफ-सफाई एवं मास्क लगाने और साबुन से हाथ धोते रहने की समझाईश दी राशन वितरण में मानिकपुर से सीमा भारतीया नारा से प्रीति पटैल और बगली से अमित शुक्ला ने योगदान दिया।

Manav Jeevan Vikas Samiti (Website : www.mjvs.org)
Contact Person : Secretary Nirbhay Singh Mob. 9425157561